अध्याय

01

दो बैलों की कथा

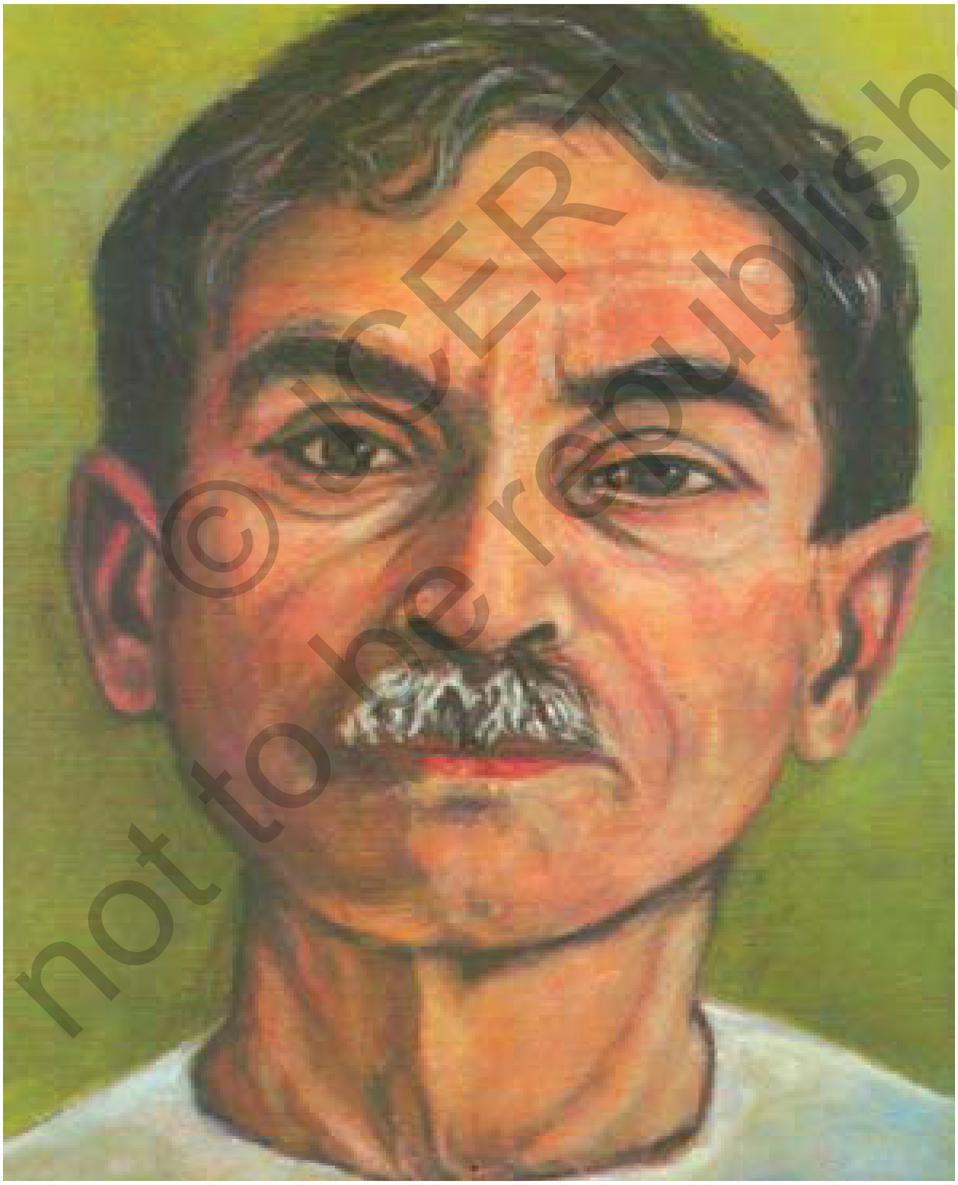

© NCERT not to be republished

मुंशी प्रेमचंद

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

लेखक-परिचय :-

लेखक-परिचय

- मुंशी प्रेमचंद
- मूल नाम- धनपत राय
- जन्म- 31 जुलाई, 1880 ईस्वी, जन्म स्थान- लमही, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
- मृत्यु- 8 अक्टूबर 1936 ईस्वी
- शिक्षा- बी०ए० तक
- हिंदी के सर्वश्रेष्ठ, सबसे लोकप्रिय एवं जगत प्रसिद्ध कथाकार
- प्रमुख रचनाएँ- उपन्यास, कहानी- संग्रह, नाटक, निबंध आदि गद्य की विविध विधाओं में लेखन
- उपन्यास- सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान आदि
- कहानी-संग्रह- 'सोजेवतन' उर्दू में, 'मानसरोवर' आठ भागों में प्रकाशित
- नाटक- कर्बला, संग्राम, प्रेम की देवी
- निबंध-संग्रह- कुछ विचार, विविध- प्रसंग
- संपादन- हंस, जागरण, माधुरी आदि पत्रिकाओं का सम्पादन।
- भाषा-शैली- भाषा सरल, सजीव, मुहावरेदार एवं लोक-प्रचलित शब्दों का कुशलतापूर्वक प्रयोग।

© JCERT not to be republished

पाठ-परिचय :-

पाठ-परिचय

- दो बैलों की कथा
- लेखक ने 'दो बैलों की कथा' कहानी के माध्यम से पशुओं में 'गधा' को सबसे ज्यादा मूर्ख प्राणी बताया है, क्योंकि वह एक सीधा-सादा जानवर है। वह काम करते-करते थक जाने पर भी कभी-भी काम का विरोध नहीं करता है, इसलिए इसे सबसे ज्यादा बेवकूफ जानवर समझा जाता है।
- 'गधा' के बाद 'बैल' को दूसरा सबसे ज्यादा मूर्ख प्राणी बताया गया है, क्योंकि वह गधा से थोड़ा कम सीधा-सादा जानवर है। वह कभी-कभी काम का विरोध करता है और लोगों पर अपने सींग से प्रहार भी करता है। इसलिए इसे दूसरे दर्जे का बेवकूफ कहा गया है।
- लेखक ने भारतीय किसानों और पशुओं के बीच आत्मीय और भावात्मक संबंध का वर्णन किया है। झूरी काछी के पास हीरा और मोती नाम के दो बैल थे। वह अपने बैलों को बड़ा-ही लाड-प्यार और दुलार करता था। इसलिए हीरा और मोती भी अपने मालिक को बहुत पसंद करते थे।
- हीरा और मोती का भी आपस में आत्मीय और घनिष्ठ संबंध बन चुका था। हल जोतते समय हीरा काम का सारा बोझ अपने कंधों पर लेना चाहता था तो मोती भी हीरा को बचाने के लिए काम का सारा बोझ अपने कंधों पर लेना चाहता था। खाने के समय भी दोनों बैल नांद में एक साथ मुँह डालते थे और एक साथ हटाते थे।
- झूरी का साला 'गया' हीरा और मोती से ज्यादा काम लेता था और उन्हें बहुत मारता-पीटता था तथा खाने के लिए सिर्फ रुखा-सूखा भूसा देता था, इसलिए वे दोनों गया को पसंद नहीं करते थे ।
- इस कहानी में कांजीहौस प्रसंग में यह बताया गया है कि स्वतंत्रता सहज रूप में नहीं मिलती। स्वतंत्रता के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है। यह कहानी आजादी की भावना से ओत-प्रोत है।
- लेखक ने पंचतंत्र एवं हितोपदेश की कथा परंपरा का उपयोग इस कहानी में किया है।

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

पाठ का सारांश :- इस कहानी को पाँच भागों में बाँटा गया है -

पहले भाग में मुंशी प्रेमचंद ने 'गधा' को जानवरों में सबसे ज्यादा बुद्धिहीन और मूर्ख बताया है, क्योंकि वह एक सीधा-सादा जानवर होता है।

दूसरे दर्जे के बुद्धिहीन और मूर्ख जानवरों में 'बैल' है। इनसे भी आप जितना काम लेना चाहते हैं ले सकते हैं, लेकिन वह कभी-कभी अपने सींग से लोगों को मारता भी है।

झूरी काछी नाम का एक भारतीय किसान था, जिनके पास 'हीरा' और 'मोती' नाम के दो बैल थे। झूरी अपने बैलों से बहुत प्यार करता था। बैलों का भी अपने मालिक से आत्मीय संबंध बन गया था। एक साथ रहते-रहते दोनों बैलों के बीच भी आपस में भाईचारे की भावना आ गई थी। एक बार झूरी काछी हीरा और मोती को अपनी ससुराल भेजते हैं। उनका साला 'गया' हीरा और मोती से दिन-भर काम लेता था और वह उन्हें बहुत मारता-पीटता था। इसलिए रात में ही दोनों बैल रस्सी तोड़ कर भाग जाते हैं और वापस अपने मालिक झूरी के पास आ जाते हैं। सुबह अपने बैलों को देखकर झूरी बहुत खुश हो जाता है।

कहानी के दूसरे भाग में यह बताया गया है कि दूसरे दिन झूरी का साला 'गया' फिर से हीरा और मोती को अपने घर ले जाते हैं। वह उन्हें दिन-भर हल जोतता है, खूब मारता-पीटता है और शाम को खाने के लिए सिर्फ रुखा- सूखा भूसा डाल देता है। दोनों बैल खाने की तरफ आँख उठाकर भी नहीं देखते हैं। रात में एक छोटी- सी बच्ची उन दोनों को दो रोटियाँ खिलाती है। बैलों का उस बच्ची के साथ भावनात्मक संबंध बन जाता है।

एक रात वह बच्ची दोनों बैलों के रस्सी को खोलकर उन्हें भगा देती है। रात में ही एक मटर के खेत में घुसकर वे दोनों अपनी भूख मिटाते हैं और मस्ती करने लगते हैं।

तीसरे भाग में हीरा और मोती का एक साँड़ से सामना होता है। दोनों मिलकर सांड़ को मार-पीट कर अधमरा कर देते हैं और भगा देते हैं। सामने पड़े मटर के खेत में घुसकर जब वे दोनों अपनी भूख मिटाने लगते हैं तभी खेत का मालिक आता है और दोनों को पकड़कर काँजीहौस (मवेशी-खाना) में बंद कर देता है।

कहानी के चौथे भाग में कहा गया है कि दिन-भर बीत जाने के बाद भी काँजीहौस में हीरा और मोती को खाने के लिए घास का एक तिनका भी नहीं मिलता है। उस काँजीहौस में पहले से ही कई भैंस, बकरियाँ, घोड़े, गधे आदि जानवर थे। किसी के भी सामने खाने के लिए चारा नहीं डाला हुआ था। सभी जानवर भूख के कारण कमजोर और मुर्दों की भाँति हो गए थे। रात के समय हीरा और मोती दोनों मिलकर काँजीहौस की दीवार को तोड़कर गिरा देते हैं और सभी कैद जानवरों को भगा देते हैं। हीरा एक मोटी रस्सी से बंधा होने के कारण रस्सी को तोड़ नहीं पाता है। अतः वे दोनों भाग नहीं पाते हैं। सुबह हुई तो काँजीहौस के मुंशी और चौकीदार मोती का खूब मरम्मत करते हैं और उसे भी एक मोटी रस्सी से बाँध देते हैं।

कहानी के पाँचवे भाग में एक सप्ताह तक दोनों मित्र हीरा और मोती काँजीहौस में ही बंधे पड़े रहे। खाना-पीना कुछ भी नहीं मिलने के कारण वे दोनों इतने दुर्बल और कमजोर हो गए थे कि उनसे उठा तक नहीं जाता था। दोनों की हड्डियाँ निकल आई थी। एक दिन काँजीहौस के मुंशी ने हीरा और मोती को एक कसाई के हाथों बेच देता है। वह कसाई दाढ़ी-वाला, लाल-लाल आँखों-वाला और भयानक चेहरे-वाला था। जब वह दढ़ियल व्यक्ति (कसाई) हीरा और मोती को अपने साथ ले जाने लगा तब कुछ दूर जाने पर उन्हें रास्ता जाना-पहचाना लगने लगा। दोनों बैलों का मन उत्साह से भर गया। दोनों वहाँ से अपने घर की ओर भाग जाने का विचार बनाते हैं। वे दोनों मित्र भागकर झूरी के घर पहुँच जाते हैं। झूरी अपने बैलों को देखकर आनंद से भर जाता है। दोनों को बारी-बारी से गले लगाते हैं। दोनों बैलों की आँखों में आनंद के आँसू भर आते हैं। इतने में वह कसाई भागता हुआ बैलों के पास आ पहुँचता है और उन्हें अपने साथ ले जाने की कोशिश करने लगता है, झूरी इसका विरोध करता है। मोती उस कसाई को मारकर भगा देता है। झूरी दोनों बैलों के सामने खली, भूसा, चोकर और दाना डाल देता है। दोनों मित्र आनंद के साथ खाने लगते हैं। इस तरह कहानी का अंत हो जाता है।

शब्दार्थ:

काँजीहौस = मवेशी-खाना। निरापद = सुरक्षित। सहिष्णुता = सहनशीलता। पछाई = पालतू पशुओं की एक नस्ल। गोई = जोड़ी। कुलेल = खेल। विषाद = उदासी। गण्य = सम्मानित। पराकाष्ठा = अंतिम सीमा। विग्रह = अलगाव। गरांव = बैल आदि पालतू पशुओं के गले में पहनाई जाने वाली रस्सी। मसलहत = हितकर। रगेदना = खदेड़ना। मल्लयुद्ध = कुश्ती। सबिका = वास्ता, सरोकार। रेवड़= पशुओं का झुंड। उन्मत्त = मतवाला। थान = पशुओं को बाँधे जाने की जगह। उछाह = उत्सव, आनंद।

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर:-

(1) काँजीहौस में पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी ?

उत्तर- काँजीहौस में वैसे पशुओं को रखा जाता था जिनके कोई मालिक नहीं होते थे। किसी की खेती खाने वाले पशुओं को काँजीहौस में बंद कर दिया जाता था। कुछ समय बाद इन पशुओं की नीलामी कर दी जाती थी।

काँजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी निम्न कारणों से ली जाती होगी—

(क) पशुओं की संख्या पता लगाने के लिए कि सभी पशु है या नहीं।

(ख) पशुओं की पहचान रखने तथा स्वास्थ्य की जानकारी के लिए।

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

(ग) शरारती या उत्पात करने वाले पशुओं को बाँधकर रखने या अलग रखने के लिए।

(2) छोटी बच्ची का बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया ?

उत्तर - छोटी बच्ची का बैलों के प्रति प्रेम निम्नलिखित कारणों से उमड़ आया -

(क) छोटी बच्ची की सौतेली माँ बच्ची को हमेशा मारते-पीटते रहती थी। वह अपनी माँ से बिछड़ने का दर्द जान रही थी। अपने मालिक से दूर होने के कारण इन बैलों को गया मारते-पीटते रहता था ।

(ख) जिस प्रकार से छोटी बच्ची को सौतेली माँ भरपेट खाना नहीं देती थी, उसी प्रकार गया इन बैलों को पेटभर खाना नहीं देता था।

(3) कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं ?

उत्तर - इस कहानी में बैलों के माध्यम से निम्नलिखित नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं-

(क) आजादी पाने के लिए मनुष्य को बड़ा से बड़ा कष्ट उठाना पड़ता पड़ता है।

(ख) एकजुट होकर किसी भी समस्या का समाधान किया जा सकता है, एकता में शक्ति होती है।

(ग) अपने साथ-साथ दूसरों की भलाई के बारे में भी सोंचना चाहिए।

(घ) सच्चा मित्र किसी भी समस्या में या किसी भी स्थिति में साथ नहीं छोड़ता है।

(ङ*) सुखी-संपन्न लोगों को भी दूसरे वर्गों की भलाई के लिये सोंचना चाहिए।

(4) प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' का प्रयोग न कर किसी नए अर्थ की ओर संकेत किया है ?

उत्तर - गधा को उसके सीधे-सादे स्वभाव के कारण 'मूर्ख' का पर्याय समझा जाता है। उसका स्वभाव सहनशील होता है। लेखक ने गधे की सरल और सहनशील स्वभाव की ओर लोगों का ध्यान खींचा है। इस कहानी में भी उन्होंने गधे की सीधेपन की 'दुर्दशा' दिखलाई है, 'मूर्खता' की नहीं।

(5) किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी ?

उत्तर - इस पाठ में अनेक घटनाएँ हैं जिनसे पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी, जैसे -

(क) हल जोतते समय दोनों बैल गर्दन हिला-हिलाकर चलते थे। उस समय दोनों प्रयास करते थे कि अधिक से अधिक बोझ मेरे कंधे पर रहे।

(ख) दिनभर हल जोतने के बाद दोपहर या शाम को दोनों खुलते थे तो एक दूसरे को चाट-चाट कर अपनी थकान मिटाते थे।

(ग) नांद में खली, भूसा, चोकर आदि पड़ जाने के बाद खाने के लिए दोनों एक-साथ उठते, एक-साथ नांद में मुँह डालते और एक ही साथ उठाते थे।

© JCERT not to be republished

(घ) मोटा-ताजा साँड़ का मुकाबला दोनों मिलकर किए थे तथा साँड़ को मारकर गिरा दिए थे।

(ङ*) मटर का फसल खाते समय मोती के पकड़े जाने पर हीरा भी वापस आ गया और दोनों काँजीहौस में बंद कर दिये गये।

(च) काँजीहौस का दीवार तोड़ने के बाद हीरा मोटी-सी रस्सी से बंधा होने के कारण भाग नहीं पाता है तो मोती भी नहीं भागता है ।

(6) "लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो" हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - हीरा द्वारा मोती से कहे गए इस कथन से पता चलता है कि उस सभ्य-समाज में स्त्रियों की स्थिति अच्छी नहीं थी। पुरुषों द्वारा स्त्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। उन्हें यातनाएँ दी जाती थी, इसलिए समाज द्वारा नियम बनाया गया है कि स्त्रियों को पुरुष-समाज शारीरिक दंड न दें। हीरा और मोती अच्छे इंसानों के प्रतीक हैं। इसलिए यह कथन सभ्य-समाज पर लागू होता है। लेखक स्त्रियों के सम्मान के पक्षधर थे। वह स्त्री- पुरुष की समानता के पक्षधर थे।

(7) किसान-जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है ?

उत्तर - प्रारंभ से ही पशु मनुष्यों के साथी रहे हैं। किसान के लिए तो पशु वरदान के समान है। हल चलाने, बोझ ढोने और सवारी करने के लिए किसान पशुओं का ही सहयोग लेते हैं। इस कहानी में झूरी हीरा और मोती को अपने पुत्र की तरह स्नेह करता था। वह उन्हें अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहता था। किसान अपने पशुओं को घर के सदस्य की तरह प्रेम करते हैं। इसलिए पशु भी अपने मालिक के लिए जान लगा देने को तैयार रहते हैं।

(8) "इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई, वे सब तो आशीर्वाद देंगे।" मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

उत्तर - मोती के इस कथन के आलोक में निम्नलिखित विशेषताएँ सामने आती हैं -

(क) उग्र स्वभाव का होते हुए भी मोती दयालु था।

(ख) मोती संकट के समय अपने मित्र हीरा का साथ नहीं छोड़ता, वह एक सच्चा मित्र था।

(ग) मोती परोपकारी था, तभी वह काँजीहौस में कैद पशुओं को आजाद करा के सबकी जान बचाता है।

(घ) मोती निडर और साहसी था। वह हीरा की मदद से साँड को मार गिराया था।

(ङ*) मोती अत्याचार का विरोधी था, तभी काँजीहौस का दीवार गिरा कर विरोध प्रगट किया था।

आशय स्पष्ट करें

(9*1) "अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।"

© JCERT not to be republished

उत्तर - हीरा और मोती बिना बोले ही एक-दूसरे की बातों को समझ जाते थे। हमेशा वे एक दूसरे का हित के बारे में सोचते थे। मनुष्य अपने-आप को सभी जीवों में श्रेष्ठ मानता है, लेकिन मनुष्य में भी यह शक्ति नहीं होती कि वह एक-दूसरे की मन की बात को समझ सके। मनुष्य हमेशा स्वार्थ के बारे में सोंचता है, दूसरे की भलाई के बारे में सोंचना ही नहीं चाहता है।

(9*2) "उस एक रोटी से भूख तो क्या शांत होती, पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।"

उत्तर - गया हीरा और मोती के साथ सौतेला व्यवहार करता था। वह दोनों बैलों को दिनभर हल जोतता था और शाम के समय खाने के लिए सिर्फ रूखा-सूखा भूसा डाल देता था, जबकि अपने घर के बैलों को भूसा के साथ खली भी डाल कर पेट-भर खिलाते थे। इसलिए हीरा और मोती गया के इस व्यवहार से अपमानित महसूस करते थे। तभी छोटी-सी लड़की आकर दोनों बैलों को एक-एक रोटी देती है। इस एक रोटी से दोनों बैलों का भूख शांत नहीं हो सकता है, परंतु लड़की के इस व्यवहार से प्रेम और अपनापन की भावना का अनुभव करते हैं। दोनों प्रसन्न हो जाते हैं, क्योंकि प्रेम का भोजन आत्मा को शांत करने के लिए काफी होता है।

(10) गया नें हीरा-मोती को दोनों बार सूखा-भूसा खाने के लिए क्यों दिया?

(क) गया पराये बैल पर अधिक खर्च नहीं करना चाहता था।

(ख) गरीबी के कारण खली आदि खरीदना उसके बस की बात नहीं थी।

(ग) वह हीरा-मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था।

(घ) उसे खली आदि सामग्री की जानकारी नहीं थी।

उत्तर- (ख) वह हीरा मोती के व्यवहार से बहुत दुःखी था।

रचना-अभिव्यक्ति :

(11) हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रगट करें।

उत्तर - हीरा और मोती शोषण के विरुद्ध आवाज उठाते रहे। उन्हें गया का विरोध करने पर डंडे और सूखी रोटियाँ खानी पड़ी। काँजीहौस में अन्याय का विरोध करने पर रस्सी के बंधन में पड़ गए। हीरा-मोती के द्वारा शोषण का विरोध किया जाना ठीक है, क्योंकि शोषित होकर जीने का कोई मतलब नहीं है। शोषितों को दुःख ही दुःख मिलता है।

(12) क्या आपको लगता है कि यह कहानी आजादी की कहानी की ओर भी संकेत करती है ?

उत्तर - हाँ, यह कहानी आजादी की कहानी की ओर संकेत करती है। हीरा और मोती को स्वतंत्रता-सेनानी के रूप में देखा जा सकता है। गया और काँजीहौस गुलामी का प्रतीक है। जिस तरह गुलाम भारत को आजाद कराने

© JCERT not to be republished

के लिए क्रांतिकारियों को अनेक यातनाएं सहनी पड़ी, उसी तरह हीरा और मोती को भी गया और काँजीहौस से आजादी पाने के लिए बार-बार संघर्ष करना पड़ता है। गुलामी का विरोध करने के कारण इन्हें बहुत अधिक दंड और काफी यातनाएँ मिलती है। गया के घर से भाग जाने की कोशिश करने पर उन्हें डंडे से पीटा जाता है और खाने के लिए भी कुछ भी नहीं दिया जाता है। इसी तरह काँजीहौस में कैद पशुओं को आजाद कराने के लिए हीरा और मोती को रस्सी से बाँध दिया जाता है और डंडे से पीटा जाता है। जब दढ़ियल वाले कसाई के हाथों दोनों को बेच दिया जाता है, तब भी यह दोनों हार नहीं मानते हैं और संघर्ष करते हुए कसाई से पीछा छुड़ाकर झूरी के घर वापस चले आते हैं। इस तरह उन्हें आजादी मिल जाती है।

भाषा-अध्ययन:

(13) बस इतना ही काफी है।

फिर मैं भी जोर लगाता हूं।

'ही', 'भी' वाक्य में किसी बात पर जोर देने का काम कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को 'निपात' कहते हैं। कहानी में से पाँच ऐसे वाक्य छाँटिए जिनमें 'निपात' का प्रयोग हुआ है-

उत्तर (क) एक ही विजय ने उसे संसार की सभ्य- जातियों में गण्य बना दिया।

(ख) अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी जिससे जीवो में श्रेष्ठ का दावा करने वाला मनुष्य वंचित हैं।

(ग) एक मुँह हटा लेता तो दूसरा भी हटा लेता।

(घ) कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है ।

(ड*) चार बातें सुनकर गम खा जाते, फिर भी बदनाम है।

14 कहानी में जगह-जगह पर मुहावरों का प्रयोग हुआ है । कोई पाँच मुहावरे छाँटिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

(क) मुहावरा - जी तोड़ काम करना

वाक्य- प्रयोग - भारतीय किसान जी तोड़ा

काम करते हैं ।

(ख) मुहावरा- टाल जाना ।

वाक्य-प्रयोग - रमेश नें सुरेश को पुस्तक देने का आश्वासन देते रहा, पर समय आने पर टाल गए ।

(ग) मुहावरा - जान से हाथ धोना

वाक्य-प्रयोग - शेर के सामने जाओगे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा ।

(घ) मुहावरा - नौ दो ग्यारह होना

वाक्य-प्रयोग - पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गए ।

(ड*) मुहावरा - ईंट का जवाब पत्थर से देना

वाक्य-प्रयोग - कारगिल के युद्ध में भारतीय सेना पाकिस्तानी सेना को ईंट का जवाब पत्थर से दे रहे थे ।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-उत्तर:-

1. 'दो बैलों की कथा' किसके द्वारा लिखी हुई है ?

(A) जाबिर हुसैन

(B) प्रेमचंद

(C) राहुल सांकृत्यायन

(D) श्यामाचरण दुबे।

उत्तर - प्रेमचंद

2. जानवरों में किसे सबसे ज्यादा बुधिहीन समझा जाता है ?

(A) गधा (B) बैल

(C) सियार (D) भालू

उत्तर - गधा

3. ब्यायी हुई गाय किसका रूप धारण कर लेती है ?

(A) हिरणी (B) सियारनी

(C) सिंहनी (D) नागिन

उत्तर - सिंहनी

4. गधा किस महीने में एकाध बार कुलेल कर लेता है ?

(A) चैत्र (B) वैशाख

(C) सावन (D) भादो।

उत्तर - वैशाख

5. लेखक के अनुसार गधे में किनके गुण पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं ?

(A) नेताओं के (B) अभिनेताओं के

(C) व्यापारियों के

(D) ऋषि-मुनियों के

उत्तर - ऋषि-मुनियों के

6. 'बछिया का ताऊ' किसे कहते हैं ?

(A) बैल (B) गधा

(C) भैंसा (D) घोड़ा

उत्तर - बैल

7. झूरी के बैलों का क्या नाम था ?

(A) हीरा-पन्ना (B) हीरा-मोती

(C) हीरा-जवाहर (D) हीरा-लाल।

उत्तर - हीरा-मोती।

8. झूरी के साले का नाम क्या था ?

(A) गोविंद (B) गोपाल

(C) गंगा (D) गया।

उत्तर - गया।

9. गाँव के इतिहास में कौन-सी घटना अभूतपूर्व थी ?

(A) बैलों का नाचना

(B) बैलों का भागना

© JCERT not to be republished

(C) बैलों का अपने-आप घर आ जाना

(D) बैलों का खेत जोतना ।।

उत्तर - बैलों का अपने-आप घर आ जाना।

10. बैलों के घर लौटने पर उनका अभिनंदन करने का निश्चय किसने किया ?

(A) झूरी ने (B) गया ने

(C) दढ़ियल ने (D) बाल सभा ने।

उत्तर - बाल सभा ने

11. गया के घर से भाग कर आए हुए बैलों को देखकर झूरी की पत्नी पर क्या प्रभाव पड़ा ?

(A) खुश हुई

(B) रोने लगी

(C) जल उठी

(D) पानी-चारा लाई।

उत्तर - जल उठी।

12. दूसरे दिन गया बैलों को कैसे ले गया ?

(A) खींचता हुआ

(B) मारता हुआ

(C) ट्रक पर

(D) गाड़ी में जोत कर।

उत्तर - गाड़ी में जोत कर।

13. गया ने बैलों को किससे बाँधा ?

(A) जंजीरों से

(B) मोटी रस्सियों से

(C) निवार से (D) सुतली से

उत्तर - मोटी रस्सियों से।

14. झूरी के बैलों ने नाँद की तरफ आँखें तक क्यों न उठाईं ?

(A) डर से।

(B) भूख नहीं थी।

(C) अपमान के कारण।

(D) बीमारी के कारण।

उत्तर - अपमान के कारण।

15. 'मुझे मारेगा, तो मैं भी एक-दो को गिरा दूंगा।' यह कथन किसका है ?

(A) हीरा (B) मोती

(C) गया (D) झूरी

उत्तर - मोती।

16. 'हमारी जाति का यह धर्म नहीं है। इस कथन में किसकी जाति की ओर लेखक ने संकेत किया है ?

(A) बैल (B) गधा

(C) ऊँट (D) बकरी

उत्तर - बैल।।

17. गया के घर में झूरी के बैलों को रोटियाँ किसने दी थीं ?

(A) गया ने ।

(B) सहायकों ने

(C) गया की पत्नी ने ।

© JCERT not to be republished

(D) छोटी लड़की ने।

उत्तर - छोटी लड़की ने

18. गया के घर में झूरी के बैलों की रस्सी किसने खोली थी?

(A) छोटी लड़की ने

(B) सहायकों ने

(C) गया की पत्नी ने

(D) गया ने

उत्तर - छोटी लड़की ने।

19. हीरा-मोती भूख से व्याकुल होकर खेत में क्या चरने लगे?

(A) चना (B) मटर

(C) सरसों (D) मुंग

उत्तर - मटर।

20. साँड क्या करता चला आ रहा था?

(A) डकारता (B) सूंघता

(C) डौंकता (D) उछलता

उत्तर - डौंकता।

21. हीरा-मोती को कहाँ बंद कर दिया गया?

(A) अहाते में (B) पशुशाला में

(C) पिंजरे में (D) कॉजी हौस में।

उत्तर - काँजी हौस में

22. काँजी हौस की दीवार के गिरते ही कितनी घोड़ियाँ सरपट भाग निकलीं?

(A) एक (B) दो

(C) तीन (D) चार

उत्तर - तीन।

23. काँजी हौस से कौन नहीं भागा था?

(A) बकरियाँ (B) गधे

(C) भैंसें (D) भेड़ें

उत्तर - गधे ।

24. हीरा-मोती कितने दिनों तक काँजी हौस में बंधे पड़े रहे?

(A) एक सप्ताह (B) पंद्रह दिन

(C) दस दिन (D) बीस दिन

उत्तर - एक सप्ताह।

25. काँजी हौस से हीरा-मोती को किसने खरीदा?

(A) सड़ियल ने (B) दढ़ियल ने

(C) मुछड़ ने (D) अड़ियल ने

उत्तर - दढ़ियल ने

26. हीरा-मोती उन्मत्त होकर किस की तरह कुलेलें करते हुए घर की ओर दौड़े?

(A) हिरण (B) खरगोश

(C) बछड़े (D) बच्चे

उत्तर - बछड़े।

27. झूरी ने अपने बैलों को देखते ही क्या किया?

(A) रस्सी से बाँधा

(B) गया को बुलाया

© JCERT not to be republished

(C) दढ़ियल को बुलाया

(D) गले से लगाया

उत्तर – गले से लगाया।

28. 'जाकर थाने में रपट कर दूंगा।' यह कथन किस का है ?

(A) झूरी (B) गया

(C) दढ़ियल (D) चौकीदार

उत्तर – दढ़ियल।

29. 'हमारी जान को कोई जान ही नहीं समझता।' यह कथन किसका है ?

(A) हीरा (B) मोती

(C) चौकीदार (D) दढ़ियल

उत्तर – हीरा

30. उसी समय मालकिन ने आकर हीरा मोती को क्या किया ?

(A) आरती उतारी

(B) चारा डाला

(C) पानी दिया

(D) माथे चूमे।

उत्तर – माथे चूमे।

31. हार कर कौन चला गया था ?

(A) झूरी (B) दढ़ियल

(C) हीरा (D) मोती

उत्तर – दढ़ियल।

32. पशु बाँधने की रस्सी को कहते हैं ?

(A) पगहिया (B) पगयहा

(C) पगयिहा (D) पगहायि

उत्तर – पगहिया।

33. लावारिस पशुओं को बंद करने का स्थान कहलाता है ?

(A) हौज काजी (B) काँजी हौस

(C) हौस कांजी (D) काँसी हौज

उत्तर – काँजी हौस

34. "यह आदमी छुरी चलाएगा' – यह कथन किसका है ?

(A) मोती (B) हीरा

(c) झूरी (D) चौकीदार

उत्तर – मोती।

35. जो कहीं फिर पकड़ लिए जाएँ–यह कथन किस का है ?

(A) मोती का (B) हीरा का

(C) गधे का (D) भैंसे का

उत्तर – गधे का।

© JCERT not to be republished